लक्ष्य के प्रति समर्पण ही सफलता का मार्ग

- द इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंट्स ऑफ इंडिया का सेमिनार
- वक्ताओं ने छात्रों को दिए जीवन में आगे बढ़ने के टिप्स

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित सेमिनार का दीप जलाकर उद्घाटन करते द इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंट्स ऑफ इंडिया के अध्यक्ष मानस ठाकुर. साथ में सीएमए संजय गुप्ता, रवि कुमार व अन्य

जागरण संवाददाता, लखनऊ : जीवन के किसी भी क्षेत्र में लक्ष्य का निर्धारण और उसके प्रति पूर्ण समर्पण का भाव नहीं होगा तब तक जीवन में सफलता नहीं हासिल हो सकती है। छात्र जीवन ही जीवन को प्रगति पथ पर ले जाने का सबसे स्वर्णिम समय होता है। ऐसे में छात्रों को चाहिए कि वह लक्ष्य का निर्धारण और उसे हासिल करने के लिए पूर्ण समर्पण ही सफलता का सबसे अच्छा और बेहतर मार्ग है। यह कहना है द इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंट्स ऑफ इंडिया के अध्यक्ष मानस ठाकुर का।

मानस ठाकुर शनिवार को यहां इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित लक्ष्य सी मंत्रा सेमिनार को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सफलता अर्जित करने में समर्पण के साथ ही स्ट्रेटजी, संसाधनों का सर्वोत्तम प्रयोग को लक्ष्य प्राप्ति के लिए आवश्यक बताया। अच्छी और समाज हित की विचारधारा के साथ जुड़कर देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की सम्भावना में उपस्थित छात्रों से अपील की। पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती के अवसर पर उन्होंने कलाम के जीवन आदर्शों को आत्मसात करने का छात्रों से उन्होंने आह्वान किया। उन्होंने छात्रों को मानवता और देश के लिए समर्पित होने की शिक्षा भी दी। संस्थान के अध्यक्ष मानस ठाकुर ने आर्थिक परिवेश कास्ट एवं मैनेजमेंट अकाउंटेंसी के व्यावसायिक लाभ के बारे में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि एक अच्छा प्रोफेशनल बनने के साथ ही एक समाज के लिए अच्छा नागरिक बनना जरूरी है। सेमिनार में उपाध्यक्ष संजय गुप्ता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मेक इन इंडिया, स्टार्ट अप जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं में इंस्टीट्यूट के सदस्यों की भूमिका बताई।

उन्होंने बताया कि सदस्य कास्ट एंड मैनेजमेंट अकाउंटेंट महत्वपूर्ण सेवाएं देकर योजनाओं को सफल बना रहे हैं। कहा कि ऑडिटिंग व कंसलटेंसी के द्वारा वस्तुओं की लागत पर नियंत्रण किया जा सकता है। इसके अलावा सेमिनार में संस्थान के पूर्व अध्यक्ष एसके भट्ट ने छात्रों को ज्ञान के व्यावहारिक पहलू पर जोर देने को कहा। सेमिनार में सुशील सिंह ने एक लक्ष्य के प्रति दृढ़ता और आत्मसम्मान के साथ काम करने पर प्रकाश डाला। रवि साहनी ने सफलता के लिए धैर्य, विश्वास और ईमानदारी के साथ निरंतर कार्यशीलता पर बल दिया। सेमिनार में साइबर वॉरियर सत्र में आधुनिक तकनीकि युग में साइबर क्राइम से बचने के लिए उपाय बताए। सोशल मीडिया व अन्य तरह से जानकारी एवं सूचनाओं के माध्यम से समस्याओं के निदान को महत्वपूर्ण बताया गया।